Spandan

Class - 3

3 हिंदी (स्पंदन)

1. प्रार्थना

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) कविता में देश की माटी और देश के जल की बात कही गई है।
   (ख) कवि ने प्रभु से सरस बनने की प्रार्थना की है।
   (ग) कविता में 'देश के तन और देश के मन' से अभिप्राय देश में रहने वाले हर किसी की शारीरिक और मानसिक स्थिति से है।
   (घ) घर और भाई-बहन को विमल बनने की बात कही गई है।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) कवि के अनुसार देश की माटी सरस होनी चाहिए।
   (ख) कवि ने देश के घर, घाट, वन और बाट के सरल बनने की विनती ईश्वर से की है।
   (ग) कविता में देश के तन और मन तथा देश, घर और भाई-बहन को विमल बनने को कहा जा रहा है।
   (घ) यह कविता समस्त देशवासियों को सरल, सरस तथा विमल बनने की सीख देती है।
2. (क) देश की माटी देश का जल,
   हवा देश की देश के फल,
   सरस बने प्रभु सरस बने।
   (ख) देश के तन और देश के मन,
   देश के घर और भाई-बहन,
   विमल बने प्रभु विमल बने।
3. (क) देश की माटी — (*iv*) देश का जल
   (ख) सरस बने प्रभु — (*iii*) सरस बने
   (ग) देश के घर — (*ii*) देश के घाट
   (घ) देश के तन — (*i*) देश के मन

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

हम अपने दोस्तों तथा मित्रों को सरल, सहज तथा नेक बनने की सलाह देंगे।

भाषा और व्याकरण

1. (क) देश – वेश (ख) जल – थल
   (ग) हवा – दवा (घ) फल – बल
   (ङ) घाट – बाट (च) वन – मन
   (छ) माली – खाली (ज) घर – वर
2. (क) जल – पानी (ख) हवा – पवन
   (ग) प्रभु – ईश्वर (घ) घर – मकान
   (ङ) वन – जंगल (च) सरल – आसान
3. (क) भला – बुरा (ख) आकाश – पाताल
   (ग) नया – पुराना (घ) प्रेम – घृणा
   (ङ) गरीब – अमीर (च) हँसना – रोना
   (छ) सत्य – असत्य (ज) खोना – पाना
4. देश, माटी, जल, प्रभु, घट, भाई

क्रियाकलाप / सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

2. राजा और मकड़ी

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) ब्रूश एक बड़ा ही वीर और पराक्रमी राजा था।
   (ख) अपनी लगातार हार के कारण वह हताश हो गया था।
   (ग) एक दिन राजा ने दीवार पर चढ़ती एक मकड़ी को देखा। वह दीवार पर बार-बार चढ़ने की कोशिश करती और गिर जाती, किंतु फिर भी उसने हार नहीं मानी तथा अंततः दीवार पर चढ़ने में सफल रही। इस घटना ने राजा ब्रूश में एक नई शक्ति का संचार किया।
   (घ) मकड़ी से प्रेरणा लेने के बाद राजा ब्रूश ने पुनः अपनी सेना को इकट्ठा किया तथा नई शक्ति के बाद पुनः शत्रु पर आक्रमण कर दिया।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) शक्ति और शौर्य के कारण राजा ब्रूश की ख्याति दूर-दूर तक फैली थी।
   (ख) शत्रुओं से पराजय के कारण राजा को अपने राज्य से हाथ धोना पड़ा।
   (ग) एक दिन राजा ने देखा कि एक मकड़ी एक दीवार पर बार-बार चढ़ने की कोशिश करती

और असफल होकर गिर जाती। किंतु बार-बार असफल रहने के बावजूद उसने हिम्मत नहीं हारी तथा अंततः सफल रही।

(घ) मकड़ी से प्रेरणा लेने के बाद राजा ब्रूश ने अपनी सेना को पुनः इकट्ठा किया तथा शत्रु पर आक्रमण कर दिया।

2. [1] राजा ब्रूश की शक्ति और शौर्य की ख्याति दूर-दूर तक फैली थी।

[2] वह किसी अज्ञात स्थान पर निर्वासित जीवन व्यतीत कर रहा था।

[3] ब्रूश ने इस बार दृढ़-संकल्प के साथ फिर से सेना इकट्ठी करनी शुरू की।

[4] इस प्रकार से, राजा ब्रूश के लिए एक मकड़ी प्रेरणा का स्रोत बन गई।

3. (क) समय, (ख) राज्य, (ग) हताश, (घ) मकड़ी

4. (क) कहा जाता है कि समय हमेशा एक समान नहीं होता।
(ख) राजा ब्रूश को अपने शत्रुओं से पराजित होना पड़ा।
(ग) पराजय के कारण राजा को अपने राज्य से हाथ धोना पड़ा।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

दृढ़-संकल्प और प्रबल इच्छा-शक्ति के समक्ष कठिन से कठिन परिस्थिति भी हार जाती है। किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए शारीरिक बल से अधिक आत्मबल की आवश्यकता होती है। हौसला और विश्वास असंभव को भी संभव बना देते हैं।

भाषा और व्याकरण

1. (क) बातूनी (ख) सहपाठी
(ग) अंधा (घ) लालची
(ङ) शिक्षक (च) सामाजिक

2. (क) फल – बुरा करने का फल बुरा ही होता है।
फल – तोता फल खाता है।
(ख) मत – वहाँ मत जाओ।
मत – उन्हें शत-प्रतिशत मत मिले।
(ग) योग – दस और दस का योग बीस होता है।
योग – इन दिनों योग सप्ताह मनाया जा रहा है।
(घ) दल – फूलों के दल टूटकर ज़मीन पर बिखरे पड़े थे।
दल – सभी दल मैदान में ताल ठोक रहे थे।
(ङ) तीर – गंगा के तीर पर साधु बैठे हैं।
तीर – वे एक तीर से कई निशाना साधते हैं।
(च) घट – ईश्वर तो घट-घट व्यापी हैं।
घट – अब उनका महत्व घट गया है।

3. (क) खेल रहे हैं। (ख) उड़ रहा है।
(ग) बना रही है। (घ) हँस रही है।
(ङ) पढ़ा रहे हैं।

4. (क) पराक्रम – पराक्रम से ही जीत हासिल होती है।
(ख) संकल्प – उन्होंने जीत का संकल्प लिया।
(ग) प्रयास – लगन से किया गया प्रयास कभी विफल नहीं होता।
(घ) आक्रमण – शत्रु ने एकाएक आक्रमण कर दिया।
(ङ) मुसीबत – मुसीबत का डटकर मुकाबला करो।

क्रियाकलाप / सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

3. नगर के कौए

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।

2. (क) बादशाह अकबर ने अपने दरबारियों से एक विचित्र सवाल पूछा– "इस नगर में कितने कौए हैं?"
(ख) सभी दरबारी सिर झुकाए इसलिए खड़े थे क्योंकि उन्हें सम्राट अकबर के प्रश्न का उत्तर पता नहीं था।
(ग) बीरबल ने अकबर के प्रश्न का जवाब दिया– ''हुजूर, इस शहर में कुल पचास हजार तीन सौ अठहत्तर कौए हैं।''
(घ) बीरबल के जवाब से प्रसन्न होकर अकबर ने कहा – "शाबाश! तुम सचमुच बुद्धिमान हो।"

3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) बादशाह अकबर अपने दरबारियों की हाजिर-जवाबी की परीक्षा लेने के लिए अनोखे प्रश्न पूछता था।
(ख) दरबारियों के सिर झुकाए खड़ा देख बीरबल समझ गया कि आज सम्राट ने ज़रूर उनसे कोई जटिल सवाल पूछा है।
(ग) बादशाह ने बीरबल से पूछा– ''बीरबल तुम बताओ कि इस नगर में कितने कौए हैं?''
(घ) हाज़िर-जवाबी बीरबल ने जवाब दिया– "हुजूर, इस पहर में कुल पचास हज़ार तीन सौ अठहत्तर कौए हैं।"

2. [1] यह किस्सा भी उसी तरह का है।

[2] एक बार अकबर ने अपने दरबारियों से एक विचित्र सवाल पूछा।

[3] बारी-बारी से हर दरबारी खड़ा होता और अपना सिर झुका लेता।

[4] बादशाह अकबर बीरबल की हाज़िरजवाबी से निरूत्तर हो गया।

3. (क) दरबारी, (ख) प्रवेश, (ग) अभिवादन, (घ) कौए

4. (क) बीरबल ने दरबार में प्रवेश किया।
   (ख) बीरबल ने देखा कि सभी दरबारी सिर झुकाए खड़े हैं।
   (ग) बीरबल फौरन समझ गया कि ज़रूर बादशाह ने दरबारियों से कोई जटिल सवाल पूछा है।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

पशु-पक्षी हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग हैं। प्रकृति का एक आवश्यक हिस्सा हैं। ये हमारे लिए बेहद उपयोगी हैं। पशु-पक्षी हमारे जीवन को सरल और सुगम बनाते हैं। ये हमारे मित्र हैं। इनका संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है। इसके लिए हम लोगों में जन-चेतना फैलाएँगे तथा दरबार से इनके संरक्षण हेतु उपाय करने के लिए प्रार्थना करेंगे।

भाषा और व्याकरण

1. (क) बादशाह – राजा
   (ख) उत्तर – जवाब
   (ग) जटिल – कठिन
   (घ) रिश्तेदार – संबंधी
   (ङ) खुश – प्रसन्न
   (च) बुद्धिमान – चतुर

2. (क) नगर × गाँव
   (ख) प्रवेश × प्रस्थान
   (ग) बैठना × उठना
   (घ) विश्वास × अविश्वास
   (ङ) बाहर × भीतर
   (च) आना × जाना

3. (क) लिख रहे हैं।
   (ख) हँस रही हैं।
   (ग) गा रहा है।
   (घ) हो रही है।

4. (क) और (ख) कि (ग) तथा (घ) इसलिए

क्रियाकलाप / सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

4. परिश्रम का फल

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।

2. (क) थॉमस एल्वा एडीसन को बचपन में मंदबुद्धि कहा जाता था।
   (ख) एडीसन के भीतर छिपी प्रतिभा को उनकी माँ ने पहचाना था।
   (ग) एडीसन के बिजली के बल्ब के आविष्कार ने पूरे संसार को जगमग कर दिया।
   (घ) एडीसन ने इस आधार पर कहा कि उनकी मेहनत बेकार नहीं गई है– ''क्योंकि एक हज़ार प्रयोग असफल होने पर उन्हें यह पता चला कि इन एक हज़ार तरीकों से बल्ब नहीं बनाया जा सकता।

3. अलेक्जेंडर ग्राहम बेल।

लिखित

1. (क) बचपन में जब अन्य बच्चे खेलते-कूदते तथा मस्ती करते थे, तब एडीसन अपने विचारों में डूबे रहते थे। इसलिए उन्हें मंदबुद्धि बालक समझा जाता था।
   (ख) एडीसन की माँ ने कहा कि मेरा एडीसन मंद बुद्धि का नहीं है।
   (ग) एडीसन ने बिजली के बल्ब का आविष्कार कर सारे संसार को रोशन कर दिया।
   (घ) एडीसन ने यह सिद्ध कर दिया कि मेहनत कभी बेकार नहीं जाती।

2. [1] बाल्यावस्था में एडीसन को मंदबुद्धि का बालक समझा जाता था।
   [2] एडीसन की माँ का कथन बिलकुल सही निकला।
   [3] तब लोग प्रकाश के लिए दीपक तथा मोमबत्ती का सहारा लेते थे।
   [4] एडीसन ने यह सिद्ध कर दिया कि मेहनत कभी बेकार नहीं जाती।

3. (क) जुझारू, (ख) मंदबुद्धि, (ग) बेकार, (घ) विलक्षण

4. (क) अपनी लगातार असफलता पर भी एडीसन ने हार नहीं मानी।
   (ख) एडीसन को मेहनत के फल के रूप में उनका आविष्कार मिला।
   (ग) एडीसन ने यह सिद्ध कर दिया कि मेहनत कभी बेकार नहीं जाती।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

मैं मानव कल्याण के लिए कोई आविष्कार करना चाहूँगा। मैं इस प्रकार का आविष्कार करना चाहूँगा जिससे लोगों का जीवन सुखमय तथा कष्ट रहित हो।

भाषा और व्याकरण

1. (क) परिश्रमी – मेहनती
   (ख) आविष्कार– खोज
   (ग) प्रतिभा – मेधा
   (घ) प्रकाश – रोशनी
   (ङ) विलक्षण – अद्‌भुत
   (च) प्रेरणा – सीख
2. (क) मंदबुद्‌धि – तीक्ष्णबुद्‌धि
   (ख) मेहनत – आराम
   (ग) आगे – पीछे
   (घ) प्रकाश – अंधकार
   (ङ) हार – जीत
   (च) असफल – सफल
   (छ) विश्वास – अविश्वास
   (ज) दुख – सुख
3. (क) हल – किसान हल चलाता है।
   हल – इस प्रश्न का हल कठिन है।
   (ख) घट – ईश्वर तो घट-घट में है।
   घट – बाढ़ का पानी घट गया है।
   (ग) पद – यह रहीम का पद है।
   पद – वे बड़े पद पर हैं।
   (घ) मुद्रा – अमेरिका की मुद्रा डॉलर है।
   मुद्रा – वे असहज मुद्रा में थे।
   (ङ) चीर – द्रौपदी के चीर की रक्षा भगवान कृष्ण ने की।
   चीर – उसने तरबूज़ के आधे हिस्से को चीर दिया।
   (च) नव – वह नौवीं कक्षा का छात्र है।
   नव – यह नव प्रभात की नई किरण है।
4. (क) ताकि (ख) और (ग) कि
   (घ) इसलिए (ङ) तो

क्रियाकलाप / सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

5. एक सड़क की आपबीती

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) सड़क का निर्माण मिट्‌टी, पत्थर, सीमेंट, तारकोल आदि के मिश्रण से होता है।
   (ख) सड़क को कहीं ग्रामीण मार्ग तो कहीं राष्ट्रीय राजमार्ग के नाम से जाना जाता है।
   (ग) सड़क के किनारों पर यातायात के संकेत चिह्न लगे होते हैं।
   (घ) सड़क की यही कामना है कि मनुष्य अपने पथ पर हमेशा आगे बढ़ता जाए।
3. हमें सड़क के किनारे लिखे यातायात के संकेतों को आवागमन को सुगम बनाने तथा दुर्घटनाओं को रोकने हेतु पालन करना चाहिए।

लिखित

1. (क) सड़क का जन्म मानव जाति की जरूरतों को पूरा करने के लिए हुआ है।
   (ख) आजकल की सड़कें बड़ी-बड़ी कंपनियों द्‌वारा बड़ी-बड़ी मशीनों से बनाई जाती हैं।
   (ग) सड़क को सुख तब मिलता है, जब उसके किनारे लगे छायादार वृक्षों के नीचे मुसाफिर आराम करते हैं।
   (घ) शहरों में सड़क का रूप मनुष्य बिगाड़ता है।
2. [1] मैं उनके आवागमन के साधन के रूप में काम करती हूँ।
   [2] मेरे किनारों पर फूलों के पौधे और छायादार पेड़ लगाए जाते हैं।
   [3] गरमी के दिनों में तो मैं बहुत गरम हो जाती हूँ।
   [4] मैं मनुष्य को आगे बढ़ाने का एक साधन हूँ।
3. (क) सड़क, (ख) मशीनों, (ग) दुख, (घ) पथ

मूल्यपरक प्रश्न

सड़क पर चलते हुए यातायात के नियमों का पालन करना हमारे लिए इसलिए आवश्यक है क्योंकि इससे यातायात सुचारू रूप से परिचालित होता है। गाड़ियों का आवागमन व्यवस्थित रूप से होता है, जिससे दुर्घटना की संभावना कम रहती है। इससे पैदल चलने वाले यात्रियों को भी सुविधा होती है।

भाषा और व्याकरण

1.

संज्ञा	सर्वनाम
(क) सड़क	मैं
(ख) मशीनों	मुझे
(ग) दिनों	मैं
(घ) लोग	मुझ पर

2. (क) मशीन — (*ii*) बड़ी-बड़ी
(ख) मार्ग — (*iii*) ग्रामीण
(ग) मात्रा — (*iv*) सुखद
(घ) दुख — (*i*) बहुत

3. (क) मैं उनके आवागमन के साधन के रूप में काम करती हूँ।
(ख) मेरे किनारों पर फूलों के पौधे और छायादार पेड़ लगाए जाते हैं।
(ग) गरमी के दिनों में तो मैं बहुत गरम हो जाती हूँ।
(घ) अक्सर मुझ पर कूड़ा-करकट फेंक दिया जाता है।

4. (क) राहगीर (ख) ग्रामीण
(ग) सुखदायी (घ) नियमत:

क्रियाकलाप / सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

6. कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) लहरों से डर जाने पर नौका पार नहीं होती।
(ख) कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
(ग) मन का विश्वास रगों में साहस भरता है।
(घ) जब तक सफल न हों, नींद और चैन का त्याग कर देना चाहिए।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) चींटी दीवारों पर सौ बार फिसलकर भी हार नहीं मानती क्योंकि उसके मन का विश्वास उसकी रगों में साहस भरता है।
(ख) असफलता एक चुनौती है।
(ग) सफलता प्राप्त करने तक हमें नींद और चैन को त्याग देना चाहिए।
(घ) श्रम किए बिना जय-जयकार नहीं होती।
2. (क) लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
(ख) असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो, क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
2. (क) लहर — (*iv*) नौका
(ख) नन्हीं — (*iii*) चींटी
(ग) असफलता — (*ii*) चुनौती
(घ) नींद — (*i*) चैन

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

यदि हममें आत्मविश्वास और साहस हो तो हम कठिन से कठिन काम को भी बड़ी आसानी से कर सकते हैं। अंदर का आत्मविश्वास लक्ष्य की प्राप्ति को आसान बना देता है। शारीरिक बल तभी सफल हो पाता है, जब उसके पास आत्मबल भी हो।

भाषा और व्याकरण

1. (क) नौका – नाव, (ख) साहस – हिम्मत,
(ग) कोशिश – प्रयास, (घ) मेहनत – परिश्रम,
(ङ) नन्हीं – छोटी, (च) चैन – राहत
2. (क) हार × जीत, (ख) असफलता × सफलता,
(ग) चढ़ना × उतरना, (घ) स्वीकार × अस्वीकार,
(ङ) बेकार × उपयोगी, (च) जय × पराजय
3. (क) लहर – समुद्र की लहरें उफान पर थीं।
(ख) दीवार – दीवार काफी लंबी है।
(ग) विश्वास – हमें एक-दूसरे पर विश्वास करना चाहिए।
(घ) चुनौती – देश में गरीबी एक बड़ी चुनौती है।
(ङ) नींद – परीक्षा के समय नींद बहुत आती है।
4. (क) हार — (*iv*) तार
(ख) दाना — (*i*) खाना
(ग) मन — (*ii*) तन
(घ) चढ़ना — (*v*) बढ़ना
(ङ) भागो — (*iii*) जागो

क्रियाकलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

7. सच्ची सेवा

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) शिक्षक महोदय ने बच्चों से पूछा– ''यदि तुम्हें बाहर चलते एक हीरा पड़ा मिल जाए तो क्या करोगे?''
(ख) पहले बच्चे ने उत्तर दिया– ''महोदय, मैं उस हीरे को बेचकर ऐशो-आराम की ज़िंदगी व्यतीत करूँगा।''
(ग) गोपाल ने शिक्षक महोदय के प्रश्न का उत्तर दिया– ''श्रीमान, मैं उस हीरे के मालिक का पता लगाऊँगा और उसे हीरा लौटा दूँगा।''
(घ) गोपाल कृष्ण गोखले का जन्म महाराष्ट्र राज्य में हुआ था।

3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) शिक्षक महोदय ने गोपाल से दूसरा प्रश्न पूछा– ''यदि तुम्हें वह मालिक न मिल पाए तो?''

   (ख) शिक्षक महोदय के दूसरे प्रश्न का गोपाल ने जवाब दिया– ''तब मैं उस हीरे को बेचूँगा और उससे मिले धन को देश की सेवा में लगा दूँगा।''

   (ग) शिक्षक महोदय गोपाल का उत्तर पढ़कर गद्‌गद हो गए।

   (घ) गोपाल कृष्ण गोखले का जन्म 9 मई, 1866 को हुआ था। उनके पिता का नाम कृष्ण राव तथा माता का नाम वेलुबाई था।

2. [1] इस बच्चे की बात सुनकर शिक्षक हैरान रह गए।
   [2] अध्यापक की बात बिलकुल सच निकली।
   [3] इनके पिता कृष्ण राव एक किसान थे।
   [4] गोपाल कृष्ण गोखले में राष्ट्रप्रेम की भावना कूट-कूटकर भरी थी।

3.

किसने कहा?	**किससे कहा?**
(क) शिक्षक महोदय ने	बच्चों से
(ख) पहले बच्चे ने	शिक्षक महोदय से
(ग) गोपाल ने	शिक्षक महोदय से
(घ) शिक्षक महोदय ने	गोपाल से

4. (क) गाँव, (ख) गद्‌गद, (ग) अध्यापक, (घ) राष्ट्रप्रेम

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

हमें अपने देश और अपनी मातृभूमि के प्रति श्रद्‌धा और सम्मान की भावना सदैव रखनी चाहिए। राष्ट्र हमारे आत्म-सम्मान और गौरव का प्रतीक होता है। राष्ट्र के सम्मान की रक्षा और उसके गौरव की अक्षुण्ण रक्षा हमारा प्राथमिक कर्तव्य है।

भाषा और व्याकरण

1.

संज्ञा	**सर्वनाम**	**विशेषण**
शिक्षक	तुम्हें	एक
बच्चा	मैं	सच्चा
गोपाल	तुम	महान
महाराष्ट्र	उन्होंने	घरेलू

2. (क) चल रही थी, (ख) जाऊँगा, (ग) लगा दूँगा, (घ) गद्‌गद हो गए

3. (क) मानो, (ख) कि, (ग) परंतु, (घ) और

4. (क) हीरा — (*iv*) खीरा
   (ख) विदेश — (*iii*) स्वदेश
   (ग) धन — (*i*) मन
   (घ) सेवा — (*ii*) मेवा

क्रियाकलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

8. बंदर-बाँट

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।

2. (क) रोटी मेज़ पर रखी थी।

   (ख) काली बिल्ली रोटी लेकर भागने लगती है।

   (ग) दोनों, बिल्लियाँ आपस में रोटी के लिए झगड़ने लगी।

   (घ) बिल्लियों के झगड़ने का फायदा बंदर ने उठाया?

3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) दोनों बिल्लियों को रोटी की महक आ रही थी।

   (ख) काली बिल्ली को रोटी लेकर भागता देख सफ़ेद बिल्ली ने उसे रोकने की कोशिश की।

   (ग) बंदर ने दोनों बिल्लियों के बीच झगड़े को सुलझाने के लिए तराजू से रोटियों को बराबर-बराबर करने की धूर्तता की।

   (घ) बंदर ने तराजू के पलड़ों पर रोटियाँ रख दी तथा उन्हें बराबर करने का झाँसा देकर सारी रोटियाँ चट कर गया।

2.

किसने कहा?	किससे कहा?
(क) सफेद बिल्ली ने	काली बिल्ली से
(ख) काली बिल्ली ने	सफेद बिल्ली से
(ग) बंदर ने	दोनों बिल्लियों से
(घ) सफ़ेद बिल्ली ने	बंदर से

3. (क) महक — (ख) आँखें
   (ग) टुकड़ा — (घ) झगड़े

4. (क) आती — (*iii*) जाती
   (ख) रोटी — (*iv*) खोटी
   (ग) भारी — (*i*) सारी
   (घ) टुकड़ा — (*ii*) पलड़ा

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

यह सभी जानते हैं कि दो लोगों के बीच झगड़ा होने से तीसरे व्यक्ति को फायदा मिल जाता है। इसलिए हमें आपस

में कभी भी नहीं लड़ना-झगड़ना चाहिए। इससे अपनी हानि है और दूसरों को फ़ायदा।

भाषा और व्याकरण

1. (क) मैं, (ख) आप, (ग) तुम (घ) हम
2. (क) जड़ – इस पेड़ की जड़ बहुत मजबूत है।
   जड़ – सारे झगड़े की जड़ तुम ही हो।
   (ख) जल – अग्नि से पूरा मकान जल गया।
   जल – सरोवर का जल मीठा था।
   (ग) हार – राजकुमारी के गले में हीरे का हार था।
   हार – अंततः सत्य जीता और असत्य की हार हुई।
   (घ) उत्तर – मुसाफ़िर उत्तर की दिशा में चला गया।
   उत्तर – प्रश्न का उत्तर देना सरल नहीं था।
3. (क) बिल्ली बहन, नमस्ते।
   (ख) मैं भी भूखी हूँ।
   (ग) बोलो, तुमको क्या करना है?
   (घ) नहीं, नहीं, तुम फिर झगड़ोगी।
4. (क) बिल्ली – बिल्लियाँ, (ख) रोटी – रोटियाँ, (ग) मेज़ – मेज़ें, (घ) पकड़ा – पकड़े, (ङ) टुकड़ा – टुकड़े, (च) खोटा – खोटे

क्रियाकलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

9. हिमाचल की सैर

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) वाराणसी नगरी लोगों को अपनी प्राचीनता तथा आध्यात्मिक विशेषताओं के कारण आकर्षित करती है।
   (ख) मनोज गरमी की छुट्टियों में सुरम्य प्राकृतिक स्थल, धर्मशाला घूमने के लिए गया।
   (ग) मैकलियोडगंज में प्रसिद्ध दलाईलामा मंदिर अवस्थित है।
   (घ) पिता जी की छुट्टियाँ खत्म होने के कारण मनोज को वापस दिल्ली लौटना पड़ा।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) वाराणसी गंगा नदी के तट पर स्थित है।
   (ख) धर्मशाला एक छोटा किंतु खूबसूरत शहर है।
   (ग) दलाईलामा मंदिर मैकलियोडगंज में है।
   (घ) धर्मशाला से काफी ऊँचाई पर डल झील है।
2. 1 वाराणसी गंगा नदी के तट पर स्थिति एक धार्मिक नगरी है।
   2 दिल्ली की गरमी वहाँ जाते ही छू-मंतर हो गई।
   3 विदेशी सैलानियों का यहाँ जमावड़ा लगा रहता है।
   4 मैं तो अभी से उस क्षण की प्रतीक्षा कर रहा हूँ।
3. (क) मौसम, (ख) खूबसूरत, (ग) डल झील, (घ) पेड़
4. (क) धर्मशाला से कुछ ही दूरी पर मैकलियोडगंज है।
   (ख) दलाईलामा मंदिर में भगवान बुद्ध की प्रतिमा है।
   (ग) मैकलियोडगंज स्थित दलाईलामा मंदिर में विदेशी सैलानियों का जमावड़ा लगा रहता है।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

भारत की प्राकृतिक सुंदरता अनुपम और अद्वितीय है। कहीं सघन जंगलों का विस्तृत साम्राज्य तो कहीं बलखाती नदियाँ, कहीं ऊँचे-ऊँचे पर्वत तो कहीं दूर-दूर तक फैली हरियाली..... सब मन मोह लेते हैं।

भाषा और व्याकरण

1. (क) छुट्टी – छुट्टियाँ
   (ख) सैलानी – सैलानियों
   (ग) छोटा – छोटे
   (घ) झरना – झरने
   (ङ) लुभावने – लुभावना
   (च) तसवीरे – तसवीर
2. (क) दिल्ली की गरमी वहाँ जाते ही छू-मंतर हो जाएगी।
   (ख) धर्मशाला एक छोटा किंतु खूबसूरत शहर था।
   (ग) तीसरे दिन हम लोग डल झील देखने जा रहे हैं।
   (घ) इसके चारों तरफ़ ऊँचे-ऊँचे पेड़ थे।
3. (क)-(*iii*), (ख)-(*i*), (ग)-(*iv*), (घ)-(*v*), (ङ)-(*ii*)
4. (क)-(*ii*), (ख)-(*iv*), (ग)-(*v*), (घ)-(*iii*), (ङ)-(*i*)

क्रियाकलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

10. ऋतुओं का राजा- बसंत

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) भारत को ऋतुओं का देश कहा जाता है।
   (ख) हमारे देश में छह ऋतुएँ आती हैं।
   (ग) वसंत ऋतु का आगमन फरवरी और मार्च से होता है।
   (घ) वसंत ऋतु को 'ऋतुराज' अर्थात ऋतुओं का राजा कहा जाता है।

3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) भारत को ऋतुओं का देश इसलिए कहा जाता है क्योंकि जितनी ऋतुएँ भारत में होती हैं, उतनी और किसी भी देश में नहीं।
   (ख) हमारे देश में छह ऋतुएँ अपनी छटा बिखेरती हैं– ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत, शिशिर और बसंत ऋतु।
   (ग) बसंत ऋतु को 'ऋतुराज' अर्थात् 'ऋतुओं के राजा' के नाम से पुकारा जाता है।
   (घ) आम की मंजरियों से मुग्ध होकर कोयल 'कुहू-कुहू' की रट लगाती है।
2. (1) भारत को ऋतुओं का देश कहा जाता है।
   (2) भारत में फरवरी और मार्च से बसंत ऋतु का आगमन होता है।
   (3) यह ऋतु अत्यंत सुहावनी होती है।
   (4) ऐसी मनमोहक तथा उल्लासपूर्ण ऋतु अन्य कोई भी नहीं है।
3. (क) ऋतुराज, (ख) फ़सल, (ग) मनमोहक, (घ) नव-जीवन
4. (क) बसंत ऋतु मनमोहक ऋतु होती है।
   (ख) इस ऋतु में गुलाब, गेंदा, सूरजमुखी, सरसों आदि के फूल बहुतायत में खिलते हैं।
   (ग) सरसों के खेतों में पीले-पीले फूल बसंत के आगमन पर झूम-झूमकर हर्ष व्यक्त करते हैं।

मूल्यपरक प्रश्न

बसंत की प्राकृतिक सुषमा को बनाए रखने के लिए मैं पेड़-पौधों का संरक्षण करूँगा तथा नए-नए पौधे लगाऊँगा ताकि बसंत ऋतु के आगमन पर ये पौधे उनकी झूम-झूमकर आगवानी करें।

भाषा और व्याकरण

❖ छात्र स्वयं करें।

2. (क) हर्ष (ख) ऋतुराज (ग) मनुष्य
   (घ) सौंदर्य (ङ) मुग्ध (च) उल्लास
3. (क) ऋतु–ऋतुएँ (ख) बीमारी–बीमारियाँ (ग) परतें–परत
   (घ) गेंदा–गेंदे (ङ) फ़सल–फ़सलें (च) झूले–झूला
4. (क) सुहावनी–लुभावनी (ख) पीला–नीला (ग) फूल–धूल
   (घ) पानी–नानी (ङ) खेत–रेत (च) झूला–भूला

क्रियाकलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

11. कौन सिखाता है?

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) चिड़ियों को चीं-चीं करना और फुर्र से उड़ जाना कुदरत सिखाती है।
   (ख) कुदरत अथवा प्रकृति ही हमें सब कुछ देती है किंतु बदले में कुछ भी नहीं लेती।
   (ग) हम सब कुदरत के ही अंश हैं।
   (घ) जिस प्रकार सूरज, चाँद और सितारे कुदरत की देन है, उसी प्रकार से हम सब भी उसी कुदरत के वंशज हैं।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) चिड़िया फुदक-फुदककर चलती-फिरती है।
   (ख) चिड़िया तिनके से घोंसला बनाती है।
   (ग) कुदरत हमें सब कुछ देती है।
   (घ) सूरज-चाँद-सितारे कुदरत की ही देन हैं।
2. (क) कौन सिखाता है चिड़ियों को चीं-चीं, चीं-चीं करना?
   कौन सिखाता फुदक-फुदक कर उनको चलना-फिरना?
   (ख) कौन सिखाता फुर्र से उड़ना दाने चुग-चुग खाना?
   कौन सिखाता तिनके ला-लाकर घोंसले बनाना?
3. (क)-(*ii*), (ख)-(*iv*), (ग)-(*i*), (घ)-(*iii*)

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

प्रकृति हमें सब-कुछ देती है। हवा, पानी, भोजन, आवास..... सब कुछ। जन्म से लेकर मृत्यु तक प्रकृति हमारे पास होती है। अतः प्रकृति के मूल स्वरूप– पेड़-पौधे, पहाड़, जंगल, पशु-पक्षी, नदियाँ-झरने इत्यादि को हमें किसी भी रूप में अहित नहीं करना चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. (क) सूरज–सूर्य, (ख) प्यार–स्नेह, (ग) तरू–पेड़, (घ) पशु–जानवर, (ङ) कुदरत–प्रकृति, (च) चाँद–शशि
2. (क) चौकीदार (ख) मनमोहक
   (ग) नवजात (घ) गूँगा
   (ङ) वंशज (च) खिलाड़ी

3.

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
सूरज	चिड़िया	प्यार
चाँद	बच्चा	दुलार

4. (क)-(*iii*), (ख)-(*iv*), (ग)-(*ii*), (घ)-(*i*)

क्रियाकलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

12. बहादुर बालिका

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) सावित्री के पिता जी एक शिक्षक थे।
   (ख) खटपट की आवाज़ से गहरी नींद में सोई हुई सावित्री जाग गई।
   (ग) डाकुओं को घर में घुसा देख सावित्री ने दबे पाँव जाकर एक डाकू को पीछे से पकड़ लिया।
   (घ) डाकुओं से लोहा लेने वाली सावित्री की उम्र तब केवल पंद्रह वर्ष थी।

लिखित

1. (क) सावित्री के पिताजी का नाम पन्ना लाल था।
   (ख) रात में सावित्री के घर डाकू घुस आए।
   (ग) डाकुओं के सरदार को मज़बूती से सावित्री ने पकड़ लिया।
   (घ) अपने सरदार को गाँववालों के चंगुल में देखकर अन्य डाकू घबराकर भाग गए।
2. [1] पन्नालाल ने सावित्री को अच्छी शिक्षा एवं संस्कार दिए थे।
   [2] सावित्री उस समय गहरी नींद में सोई हुई थी।
   [3] उसके पिता जाग गए।
   [4] शोर सुनकर गाँववाले भी आ गए।
3. (क) शिक्षक, (ख) बेटी, (ग) आवाज़, (घ) साहस
4. (क) खटपट की आवाज़ से सावित्री जाग गई।
   (ख) उसने दबे पाँव जाकर एक डाकू को पीछे से पकड़ लिया।
   (ग) सावित्री के शोर मचाने पर उसके पिता जाग गए।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

यदि सावित्री की जगह मैं होता तो मैं भी साहस और चतुराई के साथ डाकुओं को पकड़वाने में अपने परिवार के लोगों तथा गाँववालों की मदद करता।

भाषा और व्याकरण

1. (क) विद्यालय-पाठशाला, (ख) शोर-हल्ला,
   (ग) शिक्षक-अध्यापक, (घ) साहस-हिम्मत,
   (ङ) घर-मकान, (च) सरदार-प्रमुख,
2. (क) वीर × कायर (ख) सोना × जागना
   (ग) चोर × सज्जन (घ) पकड़ना × छोड़ना
   (ङ) मज़बूत × कमज़ोर (च) बेकार × उपयोगी
3. (क) सावित्री को बचपन से ही साहस भरी कहानियाँ पढ़ने का शौक है।
   (ख) खटपट की आवाज़ से वह जाग जाएगी।
   (ग) वह डाकुओं का सरदार है।
   (घ) सावित्री गोलियों के आवाज़ से नहीं डरेगी।
4. (क) उनके, (ख) उसने, (ग) वह, (घ) अपने

क्रियाकलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

13. चतुर खरगोश

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) जानवरों को प्रतिदिन शेर मारकर खा जाता था।
   (ख) सभी जानवरों ने शेर से प्रार्थना की कि उनमें से एक जानवर प्रतिदिन उसका आहार बनने के लिए जाएगा।
   (ग) एक दिन खरगोश भगवान को इसलिए याद कर रहा था क्योंकि उस दिन उसे शेर के आहार के लिए जाना था।
   (घ) कुएँ में अपनी परझाई देखकर शेर ज़ोर से गरजा, क्योंकि उसने समझा कि कुएँ में कोई दूसरा शेर है।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) जंगल के सभी जानवर इसलिए भयभीत रहते थे क्योंकि एक शेर प्रतिदिन कई जानवरों को मारकर खा जाता था।
   (ख) एक दिन सभी जानवर मिलकर शेर के पास इस बात की प्रार्थना करने गए कि वो प्रतिदिन उनमें से एक जानवर को अपना आहार बनाए।
   (ग) खरगोश ने शेर को देर होने का कारण बताया कि उसे रास्ते में एक शेर मिल गया था, जिसने उसे रोक रखा था।
   (घ) शेर ने कुएँ में अपनी परछाई देखी।

2. [1] एक दिन सभी जानवर मिलकर शेर के पास गए।
[2] एक दिन खरगोश की बारी आई।
[3] महाराज! इसी कुएँ में रहता है वह शेर।
[4] खरगोश! तुम सचमुच बुद्धिमान हो।

3. (क) शेर, (ख) जानवर, (ग) भूख, (घ) बुद्धिमान

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

संकट के समय हमें अपनी बुद्धि और चातुर्य की सहायता लेनी चाहिए। कभी-कभी विपरीत परिस्थिति में शारीरिक बल काम नहीं करता। वैसे में बुद्धि और विवेक ही हमें संकट से मुक्ति दिला सकते हैं।

भाषा और व्याकरण

1. (क) जंगल–वन, (ख) क्रोध–गुस्सा, (ग) भयभीत–डरा
(घ) परछाई–साया, (ङ) आहार–भोजन,
(च) बुद्धिमान–चतुर

2. (क) दुष्ट × सज्जन, (ख) हँसना × रोना, (ग) कम × अधिक, (घ) देर × जल्दी, (ङ) खाली × भरा, (च) शांत × अशांत

3. (क) रहता था (ख) पास गए
(ग) क्रोधित हो उठा (घ) गरजा

4. (क) तो, (ख) कि, (ग) फिर, (घ) और

क्रियाकलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

14. महाराणा प्रताप

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।

2. (क) महाराजा प्रताप का जन्म राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ।
(ख) महाराणा प्रताप उदयपुर मेवाड़ में सिसोदिया राजवंश के राजा थे।
(ग) महाराणा प्रताप के घोड़े का नाम चेतक था।
(घ) हल्दी घाटी के युद्ध में पराजय के बाद महाराणा चित्तौड़ छोड़कर वनवासी हुए।

3. रणवीच चौकड़ी भर-भर कर, चेतक बन गया निराला था।
राणा प्रताप के घोड़े से, पड़ गया हवा का पाला था।

लिखित

1. (क) महाराणा प्रताप की माता का नाम राणी जीवंत कँवर तथा पिता का नाम महाराणा उदय सिंह द्वितीय था।
(ख) महाराणा प्रताप को बचपन से ही अच्छे संस्कार, अस्त्र-शस्त्रों का ज्ञान और धर्म की रक्षा की प्रेरणा अपने माता-पिता से मिली।
(ग) हल्दीघाटी का युद्ध 1576 ई० में हुआ था।
(घ) हल्दी घाटी के युद्ध में पराजय के बाद महाराणा को चित्तौड़ छोड़ना पड़ा।

2. [1] महाराणा प्रताप उदयपुर मेवाड़ में सिसोदिया राजवंश के राजा थे।
[2] उनके घोड़े का नाम चेतक था।
[3] चेतक की बहादुरी की गाथाएँ आज भी लोग सुनाते हैं।
[4] महाराणा प्रताप को अपनी मातृभूमि से असीम प्यार था।

3. (क) हताश (ख) हल्दी घाटी
(ग) दृढ़ प्रतिज्ञा (घ) अरावली

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

हमें अपने स्वाभिमान को हमेशा बनाए रखना चाहिए क्योंकि इससे हमारा मनोबल और आत्मबल बढ़ता है। जो व्यक्ति अपने स्वाभिमान की रक्षा नहीं कर सकता, वो हमेशा अपमान और तिरस्कार का पात्र बनता है।

भाषा और व्याकरण

1. भारत, महाराणा प्रताप, राजस्थान, उदय सिंह, राणी जीवंत कँवर, चेतक

2. (क) अच्छे (ख) अभूतपूर्वक
(ग) कष्टमय (घ) भयानक

3. (क) संस्कार– संस्कार से ही मनुष्य विकास करता है।
(ख) ज्ञान– उसे हिंदी का अच्छा ज्ञान है।
(ग) मातृभूमि– हमें अपनी मातृभूमि की रक्षा करनी चाहिए।
(घ) आद्यिपत्य– पहले भारत में अंग्रेजों का आधिपत्य था।
(ङ) वनवासी– वनवासी प्रकृति के प्रेमी होते हैं।
(च) निर्भर– भारत की कृषि मानसून पर निर्भर है।

4. (क) – (*iii*), (ख) – (*i*), (ग) – (*iv*),
(घ) – (*v*), (ङ) – (*ii*)

क्रियाकलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।